न्यूज डायरी

चीन में बिजली कटौती से हाहाकार, फ्लैशलाइट की रोशनी में करना पड़ा नाश्ता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) शेनयांग। चीन में बिजली कटौती के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालत ऐसे हैं कि लोगों को स्मार्टफोन की फ्लैशलाइट की रोशनी में नाश्ता करना पड़ा और दुकानदारों को जनरेटर चलाना पड़ा। बता दें कि चीन के शहरों में बुधवार को आधिकारिक संरक्षण लक्ष्यों को पूरा करने और कुछ क्षेत्रों में इसकी कमी से निपटने के लिए बिजली कटौती की गई। समाचार रिपोर्टों में कहा गया कि कोयले की कीमत बढ़ने के कारण ऐसा हुआ। बिजली कंपनियां बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अनिच्छुक हैं। वहीं अर्थशास्त्रियों का कहना है कि असली मकसद राजनीतिक है। आधिकारिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अधिकारियों पर ऊर्जा के उपयोग को कम करने का दबाव है।

प्रेमिका को पीट–पीटकर मार डाला, बॉडी के टुकड़े कर कूड़ेदान में फेंका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन में एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ क्रूरता की हदें पार कर दी। उसने पहले तो अपनी गर्लफ्रेंड को पीट–पीटकर मार डाला। बाद में उसके शव के टुकड़े–टुकड़े कर उसे कूड़ेदान में फेंक दिया। इतना ही नहीं, हत्यारे ने बाकायदा अपने चचेरे भाई को फेसबुक पर मैसेज भेजकर अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या की जानकारी दी थी। बाद में पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया। अब कोर्ट ने हत्यारे युवक को कम से कम 28 साल की सजा सुनाई है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रेमिका की पहचान 32 साल की किर्बी सिमोन नोडन के रूप में हुई है। किर्बी की हत्या उसके बॉयफ्रेंड डीन लोव ने पश्चिम कॉर्नवाल के मैराजियन में स्थित अपने घर में कर दी थी। लोव को मई 2018 में ट्रू क्राउन कोर्ट में लंबी सुनवाई के बाद 28 साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी। एक जांच में अब पता चला है कि लोव ने कैसे अपनी गर्लफ्रेंड किर्बी सिमोन नोडन की हत्या 11 से 14 जनवरी 2017 के बीच मराजियन के वन बेडरूम के फ्लैट में की गई थी।

तालिबान की जीत में पाकिस्तान की भूमिका की जांच करे अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के रिपब्लिकन सीनेटरों ने अफगानिस्तान में तालिबान की जीत में पाकिस्तान की भूमिका की जांच कराए जाने की मांग की है। इसके लिए उन्होंने अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में एक बिल पेश किया है। इसमें उन्होंने अमेरिकी सरकार से तालिबान की जीत की गहराई से जांच कराने और उन लोगों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है, जिन्होंने अफगानिस्तान की अशरफ गनी के नेतृत्व वाली सरकार को हटाने में मदद की थी। जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बिल में वर्ष 2001 से लेकर 2020 के दौरान तालिबान के समर्थन को लेकर पाकिस्तान समेत सरकार समर्थित और अन्य तत्वों के मूल्यांकन की मांग की गई है। इनकी तालिबान को सुरक्षित पनाहगाह, धन, खुफिया समर्थन, प्रशिक्षण, सैन्य साजो–सामान, रसद और रणनीतिक दिशा–निर्देश मुहैया कराने के नजरिये से जांच होनी चाहिए।

जमीन के नीचे मिला अडोल्फ हिटलर का महाहथियार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) केंट। अडोल्फ हिटलर एक ऐसा नाम है जिससे जुड़े रहस्यों का सिलसिला खत्म होता ही नहीं है। पुरातत्वविदों को अब हिटलर का एक कुख्यात महाहथियार मिला है। रिसर्च रिसोर्स आर्कियॉलजी की टीम 14 फीट गहरे और 38 फीट चौड़े क्रेटर में खुदाई कर रही थी जब उसके हाथ यह हथियार लगा। कोलिन और शॉन वेल्च नाम के दो भाई ये प्रॉजेक्ट चला रहे थे। यहां उन्हें दिखा ट–1 रॉकेट का एक हिस्सा। इसमें एक कंबशन चौंबर था जिसमें लिक्विड ऑक्सिजन और ऐल्कोहॉल को मिश्रण रखा जाता होगा। टीम पहले भी इस तरह की जगहों पर खोज कर चुकी है लेकिन केंट में की गई यह खोज अनोखी बताई जा रही है। कोलिन ने केंट ऑनलाइन को बताया कि ये रॉकेट धरती पर किसी ऐंगल पर दाखिल होते थे। इस खास रॉकेट के लिए यह ऐंगल 70 डिग्री का था। आमतौर पर ऐसी खोज क्रेटर के किनारे पर होती है।

तालिबान के हाथ लग सकते हैं पाकिस्तानी परमाणु हथियार

चेतावनी

अब यूएस आर्मी के टॉप जनरलों ने दी पाक के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना के दो शीर्ष जनरलों ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। दोनों अधिकारियों ने सीनेट आर्म्ड सर्विस कमेटी के सामने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को लेकर भी बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि हमने राष्ट्रपति बाइडन को चेतावनी दी थी कि अफगानिस्तान से जल्दबाजी में वापसी से पाकिस्तान के परमाणु हथियारों और सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन ने भी पाकिस्तानी परमाणु हथियारों के तालिबान के हाथ में पड़ने को लेकर चेतावनी दी थी।

ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल मार्क मिले ने मंगलवार को सीनेट की आर्म्ड सर्विस कमेटी को बताया कि हमने अनुमान लगाया था कि जल्दीबाजी में वापसी से क्षेत्रीय अस्थिरता, पाकिस्तान की सुरक्षा और उसके परमाणु शस्त्रागार के जोखिम बढ़ जाएंगे। जनरल ने साफ कहा कि तालिबान ने 20 साल तक अमेरिकी सैन्य दबाव को कैसे झेला यह अब भी बड़ा सवाल बना हुआ है। हमें पाकिस्तानी पनाहगाह की भूमिका की गहराई से जांच करने की जरूरत है।

तालिबान के साथ पाकिस्तान के संबंध खराब हो रहेः जनरल मिले यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के शीर्ष जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने भी चेतावनी दी थी कि तालिबान अब तक पाकिस्तान से जैसे डील करता था वह अब बदल गए हैं। अफगानिस्तान में सरकार बनाने के बाद दोनों देशों के संबंध लगातार जटिल होते जा रहे हैं। सेंटकॉम चीफ जनरल मैकेंजी ने यह भी साफ किया कि अमेरिका और पाकिस्तान, अफगानिस्तान तक पहुंचने के लिए एक एयरस्पेस के लिए बातचीत कर रहे थे।

पाकिस्तान के साथ काम कर रही अमेरिकी सेनाः उन्होंने कहा कि हमने पिछले 20 साल में अफगानिस्तान से पश्चिमी पाकिस्तान में जाने के लिए रास्ता बनाया है। उस क्षेत्र में कुछ कम्यूनिकेशन के लिए कुछ लैंडलाइंस भी मौजूद हैं। हम अगले कुछ दिन या हफ्ते पाकिस्तानियों के साथ काम करेंगे। हम यह देखना चाहते हैं कि पाकिस्तान के साथ काम करने के परिणाम क्या निकलते हैं। हालांकि दोनों जनरलों ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के बारे में अपनी चिंताओं और आतंकवादियों के हाथों में पड़ने की संभावना पर अधिक चर्चा करने से इनकार कर दिया।

रक्षा मंत्री बोले– हम अफगान राष्ट्र के निर्माण में फेल हुएः इन अधिकारियों ने कहा कि वे सीनेटरों के साथ एक क्लोज्ड सेशन में इस मुद्दे और पाकिस्तान पर चर्चा करने को तैयार हैं। इससे पहले सुनवाई में, अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सीनेटरों से कहा कि अमेरिका ने एक राज्य बनाने में मदद की, लेकिन वे अफगान राष्ट्र का निर्माण करने में विफल रहे। अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के बाद सबसे लंबे समय से जारी अफगान युद्ध के खत्म होने के बाद शीर्ष सैन्य अधिकारियों की यह पहली पेशी थी।

सैन्य क्षमताओं को लगातार बढ़ा रहा उत्तर कोरिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सियोल। उत्तर कोरिया ने एक नई हाइपरसोनिक मिसाइल के सफल परीक्षण का दावा किया है। इस कोरियाई देश ने मंगलवार को एक मिसाइल का परीक्षण किया था। उस समय दक्षिण कोरिया और जापान ने यह संदेह जताया था कि उत्तर कोरिया ने किसी नई मिसाइल का परीक्षण किया है।

उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों के मुद्दे पर लंबे समय से अटकी वार्ता को लेकर अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने के लिए अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने में जुटा है। वह इस माह कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए ने मिसाइल परीक्षण की एक तस्वीर जारी की। एजेंसी ने बताया कि यह मिसाइल अपने पहले परीक्षण में सभी अहम तकनीकी जरूरतों पर खरी उतरी है। यह हाइपरसोनिक मिसाइल रणनीतिक हथियार है। इससे देश की रक्षा क्षमताएं मजबूत होंगी।

इधर, दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ ने बताया कि उत्तर कोरिया की हाइपरसोनिक मिसाइल विकास के शुरुआती दौर में है। इससे पहले दक्षिण कोरिया और जापान की सेनाओं ने बताया था कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार तड़के एक मिसाइल पूर्वी समुद्र में दागी।

सोने की गाड़ी से लेकर गोल्डन फूड, अजीबोगरीब शौक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। दुबई की आलीशान जिंदगी किसी को भी लुभा सकती है। सड़कों पर चलतीं महंगी गाड़ियां और आसमान को चूमती दुनिया की सबसे ऊंची इमारतें किसी को भी दुबई का दीवाना बना सकती हैं। दुबई के शेख पूरी दुनिया में अपनी दौलत और महंगे शौक के लिए जाने जाते हैं। किसी भी चीज का शौक करते समय शेख इस बात का ध्यान रखते हैं कि दुनिया में कोई भी उनकी बराबरी न कर पाए। वे खुद को विश्व में सर्वश्रेष्ठ मानते हैं और समय–समय पर इसका अहसास दुनिया को कराते रहते हैं। दुबई के शेख खासतौर पर सोने के शौकीन हैं। उनकी गाड़ियों से लेकर मोबाइल, यहां तक की खाने में भी सोना मौजूद होता है।

तालिबान से दोस्ती पड़ रही महंगी मदद नहीं पहुंचा पा रहा पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता न मिलने के कारण पाकिस्तान अफगानिस्तान को तकनीकी, वित्तीय और विशेषज्ञ सहयोग मुहैया कराने में मुश्किलों का सामना कर रहा है। मीडिया में आयी एक खबर में कहा गया। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, मंगलवार को आर्थिक मामलों के मंत्री उमर अय्यूब खान की अध्यक्षता वाली एक बैठक में नए अफगान प्रशासन को सहयोग देने के विभिन्न विकल्पों पर विचार किया गया।

यह बैठक उन खबरों के बीच हुई कि युद्धग्रस्त देश गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहा है। लेकिन मुख्य चुनौती यह है कि अफगान सरकार को विश्व द्वारा मान्यता दिए बगैर यह कैसे किया जाए। अफगानिस्तान के साथ आर्थिक सहयोग पर चर्चा के लिए बुलाई गई बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सैयद फखर इमाम, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुईद यूसुफ, पाकिस्तान स्टेट बैंक के गवर्नर डॉ. रजा बाकिर, जल एवं बिजली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल मुजम्मिल हुसैन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

विश्वस्त सूत्रों ने अखबार को बताया कि बैठक में कहा गया कि अफगान सरकार के लिए बड़ी चुनौती अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के तुरंत बाद बड़ी संख्या में तकनीकी और वित्तीय विशेषज्ञों के देश छोड़कर चले जाने से पैदा रिक्तता को भरने की है।

प्रमुख संस्थानों खासतौर से तकनीकी और वित्तीय संस्थानों में विशेषज्ञों की कमी से बिजली, मेडिकल और वित्तीय सुविधाएं जैसी आवश्यक सेवाओं का सुचारू रूप से संचालन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा, अफगान लोगों की जिंदगियों और आजीविकाओं को बचाने के लिए मानवीय आधार पर तत्काल तकनीकी और वित्तीय समर्थन की आवश्यकता है।

चीन को उम्मीद, शीत युद्ध नहीं चाहने वाले बयान पर अमल करेगा अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। यूएन में चीन के राजदूत झांग जून ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन चीन के साथ शीत युद्ध संबंधी अपने बयान को हकीकत में बदलेंगे। बाइडन ने कहा था कि अमेरिका चीन के खिलाफ एक नए शीत युद्ध की शुरुआत नहीं करना चाहता। चीनी राजदूत ने कहा कि अमेरिका को टकराव वाले दृष्टिकोण व चीन के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी से बचना चाहिए।

झांग ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनियाभर के नेताओं की सोमवार को समाप्त हुई वार्षिक बैठक के बाद एक डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका शीत युद्ध की मानसिकता को पूरी तरह त्यागते हुए अपनी कथनी को करनी में बदलेगा। मुझे लगता है कि यदि दोनों पक्ष एक दूसरे की ओर बढ़ेंगे, तो वे चीन व अमेरिका के बीच एक स्वस्थ और स्थिर संबंध देख पाएंगे। अन्यथा चिंताएं बनी रहेंगी। झांग ने चीन और अमेरिका के संबंधों को बेहद अहम बताया।